कृषि मॉडल फार्म के विकास हेतु आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में हुई संपन्न

झांसी, 07 अप्रैल, नि.प्र.।

मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में ₹जलवायु परिवर्तन₹ के संबंध में आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर अमित मोहन प्रसाद, सेवा निवृति वरिष्ठ आईएएस, सचिव भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि मुख्य अतिथि अमित मोहन प्रसाद, वर्तमान में गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से पीपीजी मॉडल आधारित ₹फॉर्मर परियोजना₹ के प्रधान सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए कृषि में नवाचार हेतु जनपद के प्रत्येक विकास खंड में 01 प्रगतिशील कृषक का चयन करते हुए मॉडल फार्म तैयार कराने की पहल कर रहे हैं।जिससे संबंधित क्षेत्र के किसान प्रभावित होकर अन्य किसान भी उक्त मॉडल को अपनाएं। इस मॉडल फार्म में कृषि विभाग के साथ पशुपालन, उद्यान, वन विभाग द्वारा भी सहयोग किया जाएगा, जिससे जलवायु में सुधार हो सके। बैठक में मंडलायुक्त द्वारा इस मॉडल को तैयार करने और इसमें झांसी में स्थित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के मॉडल को तकनीक बनाने में सहयोग, किसान के खेत की मेड पर क्षेत्र के अनुकूल फलों के पौधे लगाने, पशुओं के गोबर का खेती में उपयोग करने के साथ ही उसके अन्य उत्पाद तैयार करने के बारे में सुझाव दिया गया। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि जिले में वर्ल्ड बैंक के सहयोग से इक्क्रीसेट का प्रोजेक्ट जो हवेली मॉडल पर आधारित है को जलवायु परिवर्तन के मॉडल में शामिल किया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद ने बताया कि जनपद में पिछले 05 साल से फसलों का पैटर्न बदल रहा है, जिसको ध्यान में रखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को शामिल किया। जिसमें किसान का जोखिम कम रहे और लाभ निश्चित हो। बैठक में योजना को टेक्निकल स्पोर्ट दे रहे श्री प्रत्यूष रंजन द्वारा बिंदुबार जनपद बांदा मॉडल को दिखाते हुए जानकारी दी गई। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, मुख्य वन संरक्षक अधिकारी, संयुक्त कृषि निदेशक धर्मेंद्र कटियार, उप कृषि निदेशक एम पी सिंह, जिला कृषि अधिकारी, डॉ प्रशांत जिला उद्यान अधिकारी, कुलदीप कुमार मिश्रा,जिला पंचायत राज अधिकारी, श्रीमती भावना नागल, भूमि संरक्षण अधिकारी दीपक कुशवाहा एस एम एस, धनंजय जिला समन्वयक आदि उपस्थित रहे।

जनपद के विकासखंडों में बनेंगे नवाचार कृषि मॉडल फार्म

■ कृषि मॉडल फार्मको साकार बनाने, वरिष्ठ अधिकारियों ने किया विचार विमर्श संवाद

झांसी जयूसं। मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन के संबंध में आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर अमित मोहन प्रसाद , सेवा निवृति वरिष्ठ आईएएस, सचिव भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में बताया कि मुख्य अतिथि अमित मोहन प्रसाद , वर्तमान में गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से पीपीजी मॉडल आधारित फॉर्मर परियोजना÷के प्रधान सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए कृषि में नवाचार हेतु जनपद के प्रत्येक विकास खंड में 01 प्रगतिशील कृषक का चयन करते हुए मॉडल फार्म तैयार कराने की पहल कर रहे हैं, जिससे संबंधित क्षेत्र के किसान प्रभावित होकर अन्य किसान भी उक्त मॉडल को अपनाएं। इस मॉडल फार्म में कृषि विभाग के साथ पशुपालन, उद्यान, वन विभाग द्वारा भी सहयोग किया जाएगा, जिससे जलवायु में सुधार हो सके।

बैठक में मंडलायुक्त ने इस मॉडल को तैयार करने और इसमें झांसी में स्थित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के मॉडल को तकनीक बनाने में सहयोग, किसान के खेत की मेड पर क्षेत्र के अनुकूल फलों के पौधे लगाने, पशुओं के गोबर का खेती में उपयोग करने के साथ ही उसके अन्य उत्पाद तैयार करने के बारे में सुझाव दिया गया। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि जिले में वर्ल्ड बैंक के सहयोग से इक्कीसेट का प्रोजेक्ट जो हवेली मॉडल पर आधारित है को जलवायु परिवर्तन के मॉडल में शामिल किया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद ने बताया कि जनपद में पिछले 05 साल से फसलों का पैटर्न बदल रहा है, जिसको ध्यान में रखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को शामिल किया, जिसमें किसान का जोखिम कम रहे और लाभ निश्चित हो। बैठक में योजना को टेक्निकल स्पोर्ट दे रहे प्रत्यूष रंजन द्वारा बिंदुबार जनपद बांदा मॉडल को दिखाते हुए जानकारी दी गई। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, मुख्य वन संरक्षक अधिकारी, संयुक्त कृषि निदेशक धर्मेंद्र कटियार, उप कृषि निदेशक एम पी सिंह, जिला कृषि अधिकारी, डॉ. प्रशांत जिला उद्यान अधिकारी, कुलदीप कुमार मिश्रा,जिला पंचायत राज अधिकारी, श्रीमती भावना नागल, भूमि संरक्षण अधिकारी दीपक कुशवाहा एस एम एस, धनंजय जिला समन्वयक, आदि उपस्थित रहे।

जनपद के विकासखंडों में बनेंगे नवाचार कृषि मॉडल फार्म

कृषि मॉडल फार्म के विकास हेतु आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में संपन्न'

झांसी। मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन के संबंध में आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर अमित मोहन प्रसाद,सेवा निवृति वरिष्ठ आईएएस, सचिव भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि मुख्य अतिथि अमित मोहन प्रसाद, वर्तमान में गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से पीपीजी मॉडल आधारित फ ॉर्मर परियोजना के प्रधान सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए कृषि में नवाचार हेतु जनपद के प्रत्येक विकास खंड में 1 प्रगतिशील कृषक का चयन करते हुए मॉडल फार्म तैयार कराने की पहल कर रहे हैं, जिससे संबंधित क्षेत्र के किसान प्रभावित होकर अन्य किसान भी उक्त मॉडल को अपनाएं। बैठक में मंडलायुक्त द्वारा इस मॉडल को तैयार करने और इसमें केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के मॉडल को तकनीक बनाने में सहयोग, किसान के खेत की मेड पर क्षेत्र के अनुकूल फलों के पौधे लगाने का सुझाव दिया। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि जिले में वर्ल्ड बैंक के सहयोग से इक्कीसेट का प्रोजेक्ट जो हवेली मॉडल पर आधारित है को जलवायु परिवर्तन के मॉडल में शामिल किया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद ने बताया कि जनपद में पिछले 5 साल से फसलों का पैटर्न बदल रहा है,जिसको ध्यान में रखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को शामिल किया, जिसमें किसान का जोखिम कम रहे और लाभ निश्चित हो। बैठक में योजना को टेक्निकल स्पोर्ट दे रहे प्रत्यूष रंजन द्वारा बिंदुबार जनपद बांदा मॉडल को दिखाते हुए जानकारी दी गई। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, मुख्य वन संरक्षक अधिकारी, संयुक्त कृषि निदेशक धर्मेंद्र कटियार, उप कृषि निदेशक एम पी सिंह, जिला कृषि अधिकारी, डॉ प्रशांत जिला उद्यान अधिकारी, कुलदीप कुमार मिश्रा,जिला पंचायत राज अधिकारी, श्रीमती भावना नागल, भूमि संरक्षण अधिकारी दीपक कुशवाहा एस एम एस, धनंजय जिला समन्वयक, आदि उपस्थित रहे।

'कृषि मॉडल फार्म' को साकार बनाने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों ने किया विचार विमर्श संवाद

झांसी । मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में 'जलवायु परिवर्तन' के संबंध में आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर अमित मोहन प्रसाद, सेवा निवृति वरिष्ठ आईएएस, सचिव भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि मुख्य अतिथि अमित मोहन प्रसाद , वर्तमान में गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से पीपीजी मॉडल आधारित 'फॉर्मर परियोजना' के प्रधान सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए कृषि में नवाचार हेतु जनपद के प्रत्येक विकास खंड में 01 प्रगतिशील कृषक का चयन करते हुए मॉडल फार्म तैयार कराने की पहल कर रहे हैं, जिससे संबंधित क्षेत्र के किसान प्रभावित होकर अन्य किसान भी उक्त मॉडल को अपनाएं। इस मॉडल फार्म में कृषि विभाग के साथ पशुपालन, उद्यान, वन विभाग द्वारा भी सहयोग किया जाएगा, जिससे जलवायु में सुधार हो सके। बैठक में मंडलायुक्त महोदय द्वारा इस मॉडल को तैयार करने और इसमें झांसी में स्थित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के मॉडल को तकनीक बनाने में सहयोग, किसान के खेत की मेड पर क्षेत्र के अनुकूल फलों के पौधे लगाने, पशुओं के गोबर का खेती में उपयोग करने के साथ ही उसके अन्य उत्पाद तैयार करने के बारे में सुझाव दिया गया। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि जिले में वर्ल्ड बैंक के सहयोग से इक्क्रीसेट का प्रोजेक्ट जो हवेली मॉडल पर आधारित है को जलवायु परिवर्तन के मॉडल में शामिल किया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद ने बताया कि जनपद में पिछले 05 साल से फसलों का पैटर्न बदल रहा है, जिसको ध्यान में रखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को शामिल किया, जिसमें किसान का जोखिम कम रहे और लाभ निश्चित हो। बैठक में योजना को टेक्निकल स्पोर्ट दे रहे प्रत्यूष रंजन द्वारा बिंदुबार जनपद बांदा मॉडल को दिखाते हुए जानकारी दी गई। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, मुख्य वन संरक्षक अधिकारी, संयुक्त कृषि निदेशक धर्मेंद्र कटियार, उप कृषि निदेशक एम पी सिंह, जिला कृषि अधिकारी, डॉ प्रशांत जिला उद्यान अधिकारी, कुलदीप कुमार मिश्रा,जिला पंचायत राज अधिकारी, श्रीमती भावना नागल, भूमि संरक्षण अधिकारी दीपक कुशवाहा एस एम एस, धनंजय जिला समन्वयक, आदि उपस्थित रहे।

विकासखंडों में बनेंगे नवाचार कृषि मॉडल फार्म

कृषि मॉडल फार्म के विकास हेतु आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में संपन्न

मऊरानीपुर दर्पण न्यूज

झाँसी। मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में ₹जलवायु परिवर्तन₹ के संबंध में आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर अमित मोहन प्रसाद, सेवा निवृति वरिष्ठ आईएएस, सचिव भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि मुख्य अतिथि अमित मोहन प्रसाद, वर्तमान में गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से पीपीजी मॉडल आधारित ₹फॉर्मर परियोजना₹ के प्रधान सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए कृषि में नवाचार हेतु जनपद के प्रत्येक विकास खंड में 01 प्रगतिशील कृषक का चयन करते हुए मॉडल फार्म तैयार कराने की पहल कर रहे हैं।जिससे संबंधित क्षेत्र के किसान प्रभावित होकर अन्य किसान भी उक्त मॉडल को अपनाएं। इस मॉडल फार्म में कृषि विभाग के साथ पशुपालन, उद्यान, वन विभाग द्वारा भी सहयोग किया जाएगा, जिससे जलवायु में सुधार हो सके। बैठक में मंडलायुक्त द्वारा इस मॉडल को तैयार करने और इसमें झांसी में स्थित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के मॉडल को तकनीक बनाने में सहयोग, किसान के खेत की मेड पर क्षेत्र के अनुकूल फलों के पौधे लगाने, पशुओं के गोबर का खेती में उपयोग करने के साथ ही उसके अन्य उत्पाद तैयार करने के बारे में सुझाव दिया गया। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि जिले में वर्ल्ड बैंक के सहयोग से इक्क्रीसेट का प्रोजेक्ट जो हवेली मॉडल पर आधारित है को जलवायु परिवर्तन के मॉडल में शामिल किया जा सकता है।मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद ने बताया कि जनपद में पिछले 05 साल से फसलों का पैटर्न बदल रहा है, जिसको ध्यान में रखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को शामिल किया। जिसमें किसान का जोखिम कम रहे और लाभ निश्चित हो। बैठक में योजना को टेक्निकल स्पोर्ट दे रहे श्री प्रत्यूष रंजन द्वारा बिंदुबार जनपद बांदा मॉडल को दिखाते हुए जानकारी दी गई। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, मुख्य वन संरक्षक अधिकारी, संयुक्त कृषि निदेशक धर्मेंद्र कटियार, उप कृषि निदेशक एम पी सिंह, जिला कृषि अधिकारी, डॉ प्रशांत जिला उद्यान अधिकारी, कुलदीप कुमार मिश्रा,जिला पंचायत राज अधिकारी, श्रीमती भावना नागल, भूमि संरक्षण अधिकारी दीपक कुशवाहा एस एम एस, धनंजय जिला समन्वयक आदि उपस्थित रहे।

कृषि मॉडल फार्म के विकास हेतु आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में संपन्न

विकासखंडों में बनेंगे नवाचार कृषि मॉडल फार्म

झाँसी। मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन के संबंध में आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर अमित मोहन प्रसाद, सेवा निवृति वरिष्ठ आईएएस, सचिव भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि मुख्य अतिथि अमित मोहन प्रसाद, वर्तमान में गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से पीपीजी मॉडल आधारित फॉर्मर परियोजना के प्रधान सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए कृषि में नवाचार हेतु जनपद के प्रत्येक विकास खंड में 01 प्रगतिशील कृषक का चयन करते हुए मॉडल फार्म तैयार कराने की पहल कर रहे हैं।जिससे संबंधित क्षेत्र के किसान प्रभावित होकर अन्य किसान भी उक्त मॉडल को अपनाएं। इस मॉडल फार्म में कृषि विभाग के साथ पशुपालन, उद्यान, वन विभाग द्वारा भी सहयोग किया जाएगा, जिससे जलवायु में सुधार हो सके। बैठक में मंडलायुक्त द्वारा इस मॉडल को तैयार करने और इसमें झांसी में स्थित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के मॉडल को तकनीक बनाने में सहयोग, किसान के खेत की मेड पर क्षेत्र के अनुकूल फलों के पौधे लगाने, पशुओं के गोबर का खेती में उपयोग करने के साथ ही उसके अन्य उत्पाद तैयार करने के बारे में सुझाव दिया गया। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि जिले में वर्ल्ड बैंक के सहयोग से इक्क्रीसेट का प्रोजेक्ट जो हवेली मॉडल पर आधारित है को जलवायु परिवर्तन के मॉडल में शामिल किया जा सकता है।मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद ने बताया कि जनपद में पिछले 05 साल से फसलों का पैटर्न बदल रहा है, जिसको ध्यान में रखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को शामिल किया। जिसमें किसान का जोखिम कम रहे और लाभ निश्चित हो। बैठक में योजना को टेक्निकल स्पोर्ट दे रहे श्री प्रत्यूष रंजन द्वारा बिंदुबार जनपद बांदा मॉडल को दिखाते हुए जानकारी दी गई। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, मुख्य वन संरक्षक अधिकारी, संयुक्त कृषि निदेशक धर्मेंद्र कटियार, उप कृषि निदेशक एम पी सिंह, जिला कृषि अधिकारी, डॉ प्रशांत जिला उद्यान अधिकारी, कुलदीप कुमार मिश्रा,जिला पंचायत राज अधिकारी, श्रीमती भावना नागल, भूमि संरक्षण अधिकारी दीपक कुशवाहा एस एम एस, धनंजय जिला समन्वयक आदि उपस्थित रहे।

दैनिक जनप्रिय
बुधवार 08 अप्रैल 2026

झांसी के विकासखंडों में बनेंगे नवाचार कृषि मॉडल फार्म

(जनप्रिय संवाददाता)

झांसी। मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन के संबंध में आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर अमित मोहन प्रसाद, सेवा निवृति वरिष्ठ आईएएस, सचिव भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि मुख्य अतिथि अमित मोहन प्रसाद, वर्तमान में गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से पीपीजी मॉडल आधारित फॉर्मर परियोजना के प्रधान सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए कृषि में नवाचार हेतु जनपद के प्रत्येक विकास खंड में 01 प्रगतिशील कृषक का चयन करते हुए मॉडल फार्म तैयार कराने की पहल कर रहे हैं, जिससे संबंधित क्षेत्र के किसान प्रभावित होकर अन्य किसान भी उक्त मॉडल को अपनाएं। बैठक में मंडलायुक्त द्वारा इस मॉडल को तैयार करने और इसमें झांसी में स्थित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के मॉडल को तकनीक बनाने में सहयोग, किसान के खेत की मेड पर क्षेत्र के अनुकूल फलों के पौधे लगाने, पशुओं के गोबर का खेती में उपयोग करने के साथ ही उसके अन्य उत्पाद तैयार करने के बारे में सुझाव दिया गया। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि जिले में वर्ल्ड बैंक के सहयोग से इक्लीसेट का प्रोजेक्ट जो हवेली मॉडल पर आधारित है को जलवायु परिवर्तन के मॉडल में शामिल किया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद ने बताया कि जनपद में पिछले 05 साल से फसलों का पैटर्न बदल रहा है, जिसको ध्यान में रखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को शामिल किया, जिसमें किसान का जोखिम कम रहे और लाभ निश्चित हो। बैठक में योजना को टेक्निकल स्पोर्ट दे रहे प्रत्यूष रंजन द्वारा बिंदुबार जनपद बांदा मॉडल को दिखाते हुए जानकारी दी गई। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, मुख्य वन संरक्षक अधिकारी, संयुक्त कृषि निदेशक धर्मेंद्र कटियार, उप कृषि निदेशक एम पी सिंह, जिला कृषि अधिकारी, डॉ प्रशांत जिला उद्यान अधिकारी, कुलदीप कुमार मिश्रा,जिला पंचायत राज अधिकारी, श्रीमती भावना नागल, भूमि संरक्षण अधिकारी दीपक कुशवाहा एस एम एस, धनंजय जिला समन्वयक, आदि उपस्थित रहे।

जनपद के विकासखंडों में बनेंगे नवाचार कृषि मॉडल फार्म

कृषि मॉडल फार्म के विकास हेतु आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में संपन्न

उद्योग हकीकत, झांसी।

मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन के संबंध में आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर अमित मोहन प्रसाद,सेवा निवृति वरिष्ठ आईएएस, सचिव भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि मुख्य अतिथि अमित मोहन प्रसाद, वर्तमान में गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से पीपीजी मॉडल आधारित फॉर्मर परियोजना के प्रधान सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए कृषि में नवाचार हेतु जनपद के प्रत्येक विकास खंड में 1 प्रगतिशील कृषक का चयन करते हुए मॉडल फार्म तैयार कराने की पहल कर रहे हैं, जिससे संबंधित क्षेत्र के किसान प्रभावित होकर अन्य किसान भी उक्त मॉडल को अपनाएं। बैठक में मंडलायुक्त द्वारा इस मॉडल को तैयार करने और इसमें केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के मॉडल को तकनीक बनाने में सहयोग, किसान के खेत की मेड पर क्षेत्र के अनुकूल फलों के पौधे लगाने का सुझाव दिया। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि जिले में वर्ल्ड बैंक के सहयोग से इक्वीसेट का प्रोजेक्ट जो हवेली मॉडल पर आधारित है को जलवायु परिवर्तन के मॉडल में शामिल किया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद ने बताया कि जनपद में पिछले 5 साल से फसलों का पैटर्न बदल रहा है,जिसको ध्यान में रखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को शामिल किया, जिसमें किसान का जोखिम कम रहे और लाभ निश्चित हो। बैठक में योजना को टेक्निकल स्पोर्ट दे रहे प्रत्यूष रंजन द्वारा बिंदुबार जनपद बांदा मॉडल को दिखाते हुए जानकारी दी गई। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, मुख्य वन संरक्षक अधिकारी, संयुक्त कृषि निदेशक धर्मेंद्र कटियार, उप कृषि निदेशक एम पी सिंह, जिला कृषि अधिकारी, डॉ प्रशांत जिला उद्यान अधिकारी, कुलदीप कुमार मिश्रा,जिला पंचायत राज अधिकारी, श्रीमती भावना नागल, भूमि संरक्षण अधिकारी दीपक कुशवाहा एस एम एस, धनंजय जिला समन्वयक, आदि उपस्थित रहे।

"कृषि मॉडल फार्म" को साकार बनाने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों ने किया विचार विमर्श संवाद

झांसी : मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में "जलवायु परिवर्तन" के संबंध में आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर अमित मोहन प्रसाद , सेवा निवृति वरिष्ठ आईएएस, सचिव भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि मुख्य अतिथि अमित मोहन प्रसाद जी, वर्तमान में गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से पीपीजी मॉडल आधारित "फॉर्मर परियोजना" के प्रधान सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए कृषि में नवाचार हेतु जनपद के प्रत्येक विकास खंड में 01 प्रगतिशील कृषक का चयन करते हुए मॉडल फार्म तैयार कराने की पहल कर रहे हैं, जिससे संबंधित क्षेत्र के किसान प्रभावित होकर अन्य किसान भी उक्त मॉडल को अपनाएं। इस मॉडल फार्म में कृषि विभाग के साथ पशुपालन, उद्यान, वन विभाग द्वारा भी सहयोग किया जाएगा, जिससे जलवायु में सुधार हो सके। बैठक में मंडलायुक्त द्वारा इस मॉडल को तैयार करने और इसमें झांसी में स्थित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के मॉडल को तकनीक बनाने में सहयोग, किसान के खेत की मेड पर क्षेत्र के अनुकूल फलों के पौधे लगाने, पशुओं के गोबर का खेती में उपयोग करने के साथ ही उसके अन्य उत्पाद तैयार करने के बारे में सुझाव दिया गया। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि जिले में वर्ल्ड बैंक के सहयोग से इक्क्रीसेट का प्रोजेक्ट जो हवेली मॉडल पर आधारित है को जलवायु परिवर्तन के मॉडल में शामिल किया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी श्री जुनैद अहमद ने बताया कि जनपद में पिछले 05 साल से फसलों का पैटर्न बदल रहा है, जिसको ध्यान में रखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को शामिल किया, जिसमें किसान का जोखिम कम रहे और लाभ निश्चित हो। बैठक में योजना को टेक्निकल स्पोर्ट दे रहे प्रत्यूष रंजन द्वारा बिंदुबार जनपद बांदा मॉडल को दिखाते हुए जानकारी दी गई। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, मुख्य वन संरक्षक अधिकारी, संयुक्त कृषि निदेशक धर्मेंद्र कटियार, उप कृषि निदेशक एम पी सिंह, जिला कृषि अधिकारी, डॉ प्रशांत जिला उद्यान अधिकारी, कुलदीप कुमार मिश्रा,जिला पंचायत राज अधिकारी, श्रीमती भावना नागल, भूमि संरक्षण अधिकारी दीपक कुशवाहा एस एम एस, धनंजय जिला समन्वयक, आदि उपस्थित रहे।